वार्षिक प्रतिवेदन : सत्र 2022-23

– डॉ. ए.के. लहरे
प्राचार्य

माँ महामाया की नगरी रतनपुर में स्थित शासकीय महामाया महाविद्यालय रतनपुर की स्थापना सत्र 1989 में हुई तथा वर्तमान सत्र में 2022-23 में 1953 छात्र-छात्राएं विभिन्न संकायों में नियमित रूप से अध्ययनरत् हैं । इस महाविद्यालय को नैक द्वारा सत्र 2010-11 एवं 2021-22 में ''बी'' ग्रेड प्रदान किया गया है ।

महाविद्यालय की महत्वपूर्ण विशेषताएं

- 10 एकड़ में फैला हरियाली और प्राकृतिक वैभव से सुसज्जित महाविद्यालय परिसर जिसमें मुख्य भवन, रूसा द्वारा नवनिर्मित भवन एवं स्नातकोत्तर विभागों हेतु पृथक पुराना भवन शामिल है ।
- महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय की कक्षाएं संचालित है एवं स्नातकोत्तर स्तर पर महाविद्यालय में समाजशास्त्र, इतिहास तथा राजनीति विज्ञान की कक्षाएं शासन स्तर पर है । साथ ही स्ववित्तीय आधार पर पी.जी.डी.सी.ए., डी.सी.ए. एवं एम.कॉम की कक्षाएं संचालित हैं एवं शासन स्तर पर एम.एस-सी. प्रारंभ करने हेतु शासन को पत्र लिखा गया है ।
- महाविद्यालय परिसर वाई-फाई द्वारा इंटरनेट सुविधा से संपन्न है, साथ ही महाविद्यालय प्रांगण सी.सी.टी.वी. कैमरे द्वारा निरंतर निगरानी में रखा जाता है ।
- इस महाविद्यलाय में छात्र-छात्राओं हेतु एन.आर.सी. (Network Resource Centre) सुविधाएं प्राप्त हैं, जिसमें 20 कम्प्यूटर इंटरनेट सुविधायुक्त उपलब्ध है । साथ ही नियमित छात्र-छात्राओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मात्र 01 रू. में फोटोकॉपी की सुविधा प्रदान की गयी है ।
- महाविद्यालय में पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी है ।
- महाविद्यालय में दिव्यांग छात्र-छात्राओं हेतु पृथक रैंप एवं शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध है ।
- महाविद्यालय में इंटरेक्टिव बोर्ड की सहायता से प्राध्यपकों द्वारा अध्यापन कार्य कराया जाता है ।
- महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम सभी संकायों में 61.26 प्रतिशत रहा है ।

1. राष्ट्रीय सेवा योजना – महाविद्यालय में 100 छात्र एवं 100 छात्राओं की राष्ट्रीय सेवा योजना की पृथक-पृथक इकाइयाँ संचालित है । इन दोनों इकाइयों द्वारा गोदग्राम घासीपुर में वृक्षारोपण, जन जागरूकता अभियान तथा नवरात्रि पर्वों पर महामाया मंदिर में अनुशासन व्यवस्था एवं श्रमदान कार्य संपादित किए गए । इसके अतिरिक्त आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आइकोनिक स्थल गजकिला रजनपुर में पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग रायपुर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत हर घर तिरंगा का संदेश देते हुए ध्वजारोहण एवं राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया गया ।

2. क्रीड़ा विभाग – महाविद्यालय का क्रीड़ा विभाग बहुत-सी खेल सुविधाओं से युक्त है । सत्र 2022-23 के दौरान महाविद्यालय के 09 छात्र-छात्राएं अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किये एवं 07 छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में विभिन्न खेलों में प्रतिनिधित्व किया है ।

3. ग्रंथालय – महाविद्यालय में लगभग 25,500 पुस्तकों व शोध पत्र-पत्रिकाओं से युक्त ग्रंथालय एवं अध्ययन हेतु पृथक से वाचनालय उपलब्ध है । साथ ही छात्र-छात्राओं को ग्रंथालय द्वारा एन लिस्ट की सुविधाएं प्रदान की जाती है । जिससे वे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पुस्तकों का अध्ययन कर सकें ।

Scanned with CamScanner

4. जनभागीदारी समिति द्वारा स्वीकृति पश्चात् संपन्न कार्य – महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास हेतु गठित वर्तमान सत्र 2022-23 जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के विकास के कार्य स्वीकृत और जिन्हें महाविद्यालय में पूर्ण किया, प्रमुख रूप से मैदान समतलीकरण, छात्र-छात्राओं हेतु कुर्सियां, मुख्य गेट का निर्माण, छात्रा कॉमन रूम के शौचालय का मरम्मत, दिव्यांग छात्रों के लिए पृथक शौचालय का निर्माण, सायकल स्टैण्ड में लोहे ही जाली का निर्माण, खेल मैदान हेतु ग्रास कटर की व्यवस्था, ग्रंथालय में छात्रों की सुविधा हेतु वाटर कूलर उपलब्ध कराया गया है ।

5. रेड क्रास - महाविद्यालयीन रेड क्रास इकाई के अंतर्गत माह सितम्बर में विश्व कृमि निवारण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में विद्यार्थियों को टेबलेट का वितरण किया गया । महाविद्यालय में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटा द्वारा 01 फरवरी 2023 को ''राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कायक्रम'' हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया ।

6. रेड रिबन – सत्र 2022-23 हेतु गठित महाविद्यालय रेड रिबन क्लब के द्वारा राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सौजन्य से ''विश्व एड्स दिवस'' के अवसर पर एड्स जागरूका एवं राष्ट्रीय युवा दिवस पर ''रक्तदान और युवाओं की भूमिका'' विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

7. आईक्यूएसी – समय-समय पर छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए । प्रयास एकडमी द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु 10 छात्राओं का चयन किया गया । छात्राओं के लिए ब्यूटीशियन कोर्स एवं समस्त छात्र-छात्राओं के लिए टैली कोर्स का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया ।

8. स्वीप कार्यक्रम – छात्र-छात्राओं में नेतृत्व क्षमता के विकास एवं मतदाता जागरूकता हेतु संचालित किए जाने वाले स्वीप कार्यक्रमों के अंतर्गत कैंपस एम्बेसडर की नियुक्ति एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत वाद-विवाद, रंगोली, पोस्टर, नारा लेखन, निबंध नुक्कड़ नाटक, रैली एवं सर्वेक्षण जैसे कार्य किए गए ।

9. छात्रवृत्ति – शासन के द्वारा दी जाने वाली पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु अ.जा. वर्ग के 272, अ.ज.जा. वर्ग के 444 एवं अ.पि.व. के 738 छात्र-छात्राओं के आवेदन शासन के पास भेजे गये । बी.पी.एल. छात्रवृत्ति हेतु 26 विद्यार्थियों के प्रस्ताव शासन को भेजे गये । इनमें से अ.जा., अ.ज.जा. वर्ग हेतु 4 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति छ.ग. शासन द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है ।

10. महाविद्यालय प्रशासन के प्रयास से मस्तूरी विकासखंड के जयराम नगर स्थित ''राशि पावरप्लांट'' के सहयोग से रिक्त 300 स्क्वेयर फीट भूमि पर लोहे ही जाली लगाकर पर्यावरण संरक्षण स्लोगन लिखवाकर एवं 30 पौधे रोपित करके दिये गये हैं, इस हेतु राशि पावरप्लांट ने लगभग सी.एस.आर. मद से 03 लाख रू. व्यय किये हैं ।

यहां पदस्थ रहे प्राचार्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों के नेतृत्व एवं छात्र-छात्राओं के सामूहिक प्रयत्नों से महाविद्यालय प्रगति के नवीन सोपानों को प्राप्त करते हुए विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है । महाविद्यालय विकास में अंचल के जनप्रतिनिधियों, जनभागीदारी समिति के सदस्यों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों का पूर्ण सहयोग मिलता रहा है । रतनपुर नगर के साथ-साथ सुदूर ग्रामीण अंचल से आए विद्यार्थियों तक उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को पहुंचाना और उन्हें लाभान्वित करना महाविद्यालय परिवार का उद्देश्य एवं लक्ष्य है । हम पूर्णत: आशान्वित हैं कि आप सभी के संपूर्ण सहयोग से महाविद्यालय विकास के नए आयामों को स्पर्श करेगा और हमारे विद्यार्थी यहां अध्ययन कर समाज और देश के लिए हितकारी कार्य संपादित करेंगे तथ राष्ट्र विकास एवं राष्ट्र गौरव में भागीदार रहेंगे ।

Scanned with CamScanner